B.Ed. part 3 — Dr Rupashree Kumari

Paper - VIth

Educational Psychology

Education and Adjustment of Gifted or Talented children

प्रतिभाशाली बालकों की शिक्षा शिक्षक शिक्षाशास्त्री एवं प्रबन्धक के सामने एक गंभीर समस्या है। वास्तव में शिक्षा एवं समायोजन की दृष्टि से ऐसे बालक एक बड़ी हद तक problem child होते हैं कि सामान्य पाठ्यक्रम उनकी मानसिक योग्यता के समरूप नहीं होते हैं उनके लिए यह पाठ्यक्रम इतना आसान होता है कि वे सहज ही थोड़े ही समय में ही उसे सीख जाते हैं। जिससे वे अपने पाठ्यक्रम शिक्षक एवं विद्यालय के प्रति उदासीन बन जाते हैं वर्ग में शरारत करना, स्कूल से भागना घर पर नहीं रहना, fantasy में समय बिताना आदि का उपयोग करने लगते हैं इस प्रकार कुछ बालक तो ~~delinquent~~ delinquent बन जाते हैं इस प्रकार अधिक बुद्धि होते हुए भी प्रतिभाशाली बालक समुचित शिक्षा पाने में समर्थ नहीं होते हैं इसके लिए इस संबंध में ही किए गए प्रयोगात्मक अध्ययनों तथा शोधों के आधार शिक्षाशास्त्रियों एवं मनोवैज्ञानिक ने निम्नलिखित उपायों की ही चर्चा की है

1- शीघ्र वर्ग उन्नति – प्रतिभाशाली बालकों की शिक्षा के लिए आवश्यक है कि उन्हें अतिरिक्त extra promotion दी जाए क्योंकि ऊँचे वर्ग का पाठ्यक्रम अपेक्षाकृत कठिन होने के कारण उस बालक की योग्यता के अनुकूल होगा। जिससे उसकी अभिरुचि ~~वाय~~ पाठ्यक्रम के ~~अनुकूल~~ अनुकूल होगा।

2 पाठ्यक्रम की समृद्धि — ऐसे बालकों के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम की व्यवस्था की जाए। पाठ्यक्रम उस कक्षा के सामान्य बालकों के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम से ऊँचे स्तर का हो तथा उसमें abstract subjects की व्यवस्था की जाए। ऐसे curriculum में ऐसे विषयों को शामिल किया जाए जिसमें creativity ability समुचित रूप से व्यवस्था दी जाए।

3- Special Projects:- ऐसे बालकों की शिक्षा के लिए special projects का प्रबन्ध करना भी आवश्यक है जैसे ~~[illegible]~~ story telling ~~कवित~~ कविता, ~~[illegible]~~ ~~[illegible]~~ चित्रकारी, debating / painting bedating etc

4 Able teacher and Suitable teacher -
प्रतिभाशाली बालकों की शिक्षा के लिए योग्य शिक्षक एवं उपयुक्त अध्यापन विधि आवश्यक है शिक्षक को बालकों के प्रति सचेत और जागरूक रहना जरूरी है ऐसे बालकों के लिए trial and error method की अपेक्षा insight-method से सीखना अधिक लाभप्रद है।

5 Separate educational institution
आधुनिक शिक्षा विशेषज्ञों तथा मनोवैज्ञानिकों ने प्रतिभाशाली बालकों की समुचित शिक्षा के लिए पृथक शैक्षणिक संस्था की सिफारिश की है इस संस्था में केवल प्रखर बुद्धि के बालकों का ही नामांकन होना चाहिए उसमें बालकों की योग्यता, मनोवृत्ति एवं आवश्यकता के अनुकूल पाठ्यक्रम बनाने तथा उपयुक्त अध्यापन - विधि को उपयोग करने की सुविधा होगी। साथ - ही साथ - कुशल एवं योग्य शिक्षकों की नियुक्ति भी की जा सकेगी।